हिन्दी

(पाठ्यक्रम– अ) संकलित परीक्षा

निर्धारित समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक– 80

निर्देश :-

1) इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं- क, ख ग और घ।
2) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।

संकलित परीक्षा - 2 (एस-2)
कक्षा - नवीं
विषय - हिन्दी (पाठ्यक्रम - अ)

निर्धारित अवधि - 3 घण्टें **पूर्णांक - 80 अंक**

खण्ड - 'क'

प्र01 निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर छाँटकर लिखिए। 5

कालिदास उसी डाली को काट रहे थे, जिस डाली पर बैठे थे। विद्योत्तमा नामक विदुषी राजकन्या का मान भंग करने का षड्यंत्र कर रहे तथाकथित विद्वान वर्ग को वह व्यक्ति (कालिदास) सर्वाधिक जड़मति और मूर्ख लगा। सो वे उसे ही कुछ लाभ-लालच दे, कुछ ऊटपटाँग सिखा-पढ़ा, महापंडित के वेश में सजा-धजाकर राजदरबार में विदुषी राज कन्या विद्योत्तमा से शास्त्रार्थ करने के लिए ले गए। उस मूर्ख के ऊटपटाँग मौन संकेतों की मनमानी व्याख्या कर षड्यंत्रकारियों ने उस विदुषी से विवाह करा ही दिया, लेकिन प्रथम रात्रि में ही वास्तविकता प्रकट हो जाने पर पत्नी के ताने से घायल होकर ज्यों घर से निकले, कठिन परिश्रम और निरंतर साधना-रूपी रस्सी के आने-जाने से घिस-पिटकर महाकवि कालिदास बनकर घर लौटे। स्पष्ट है कि निरंतर अभ्यास ने तपाकर उन की जड़मति को पिघलाकर बहा दिया और जो बाकी बचा था, वह खरा सोना था।

(1) **कालिदास उसी डाली को क्यों काट रहे थे, जिस डाली पर वे बैठे थे?** 1

(क) वे विद्वान थे।

(ख) वे जड़मति थे।

(ग) वे महापंडित थे।

(घ) वे लकड़हारे थे।

(2) **कालिदास को पंडित कहाँ ले गए?** 1

(क) विद्योत्तमा का राजमहल दिखाने।

(ख) विद्योत्तमा से मिलवाने के लिए।

(ग) विद्योत्तमा के पास सजा दिलवाने।

(घ) विद्योत्तमा से शास्त्रार्थ करने के लिए।

(3) **विदुषी राजकन्या का विवाह जड़मति कालिदास से क्यों हो गया?** 1

(क) कालिदास सुदर्शन व्यक्तित्व के थे।

(ख) विद्वान वर्ग ने उनके मौन संकेतों की मनमानी व्याख्या की।

(ग) कालिदास धनी थे।

(घ) राजकन्या कालिदास से प्रेम करती थी।

(4) **मूर्ख कालिदास किस प्रकार महाकवि बन गया?** 1

(क) पत्नी के प्रेम के कारण।

(ख) साहित्य रचना के कारण।

(ग) कठिन परिश्रम और निरन्तर साधना से।

(घ) घर से त्यागकर जाने के कारण।

(5) **इस गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए।** 1

(क) जड़मति कालिदास।

(ख) विद्योत्तमा और कालिदास।

(ग) महाकवि कालिदास।

(घ) करत-करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान।

प्र02 निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर छाँटकर लिखिए। 5

शिशु को यदि हम राष्ट्र की अमूल्य निधि के रूप में देखना चाहते हैं तो उसे एक ऐसा आदर्श वातावरण प्रदान करना पड़ेगा, जिसमें निर्बाध गति से उसका चहुँमुखी विकास हो सके। स्वच्छ, शांत, भयमुक्त और स्वास्थ्यप्रद वातावरण में ही शिशु की कोमल भयमुक्त और स्वास्थ्यप्रद वातावरण में ही शिशु की कोमल भावनाएँ सुरुक्षित रह सकती हैं। शिशु की सुकोमल भावनाओं को आघात पहुँचाना सामाजिक अपराध है। राष्ट्र का यह पुनीत कर्तव्य है कि वह प्रत्येक बालक को ऐसा वातावरण उपलब्ध कराए कि उसमें हीन भावना न पनपने पाए। हीन भावना से ग्रसित शिशु बड़ा होने पर समाज के प्रति अपने कर्तव्य का सही रूप में निर्वाह नहीं कर सकता।

(1) **शिशु को राष्ट्र की अमूल्य निधि किस प्रकार बनाया जा सकता है?** 1

(क) आदर्श वातावरण प्रदान कर।

(ख) शिक्षित करके।

zoopkitab
same textbooks, klick away

(ग) खेल–सामग्री उपलब्ध कराके।

(घ) अनुशासन में रख कर।

(2) **शिशु की कोमल भावनाएँ कैसे वातावरण में सुरक्षित रह सकती हैं?** 1

(क) अनुशासित वातावरण में।

(ख) स्वच्छ एवं शांत वातावरण में।

(ग) शांत, भयमुक्त और स्वास्थ्यप्रद वातावरण में।

(घ) प्रदूषणरहित वातावरण में।

(3) **इस गद्यांश में किसे सामाजिक अपराध माना गया है?** 1

(क) शिशु को पौष्टिक भोजन न देना।

(ख) शिशु को शारीरिक दंड देना।

(ग) शिशु को स्नेह से वंचित रखना।

(घ) शिशु की सुकोमल भावनाओं को आघात पहुँचाना।

(4) **राष्ट्र का पुनीत कर्त्तव्य क्या है?** 1

(क) बच्चे की भावना को सुरक्षित न रखना।

(ख) बच्चे में हीन भावना पनपने न देना।

(ग) बच्चे को सुविधाएँ प्रदान कराना।

(घ) बच्चे को सबल वातावरण प्रदान न करना।

(5) **इस गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए।** 1

(क) राष्ट्र की अमूल्य निधि।

(ख) शिशु और राष्ट्र।

(ग) शिशु की कोमलता।

(घ) राष्ट्र के दायित्व।

(3) निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के सही विकल्प छाँटकर लिखिए। 5

तन समर्पित, मन समर्पित
और यह, जीवन समर्पित,
चाहता हूँ देश की धरती, तुझे कुछ और भी दूँ।
माँ तुम्हारा ऋृण बहुत है, मैं अकिंचन,
किंतु इतना कर रहा, फिर भी निवेदन–
थाल में लाऊँ सजाकर भाल जब,
कर दया स्वीकार लेना वह समर्पण,
गान अर्पित, प्राण अर्पित
चाहता हूँ देश की धरती, तुझे कुछ और भी दूँ।
माँज दो तलवार को लाओ न देरी
बाँध दो कसकर, कमर पर ढाल मेरी,

Zoopkitab same textbooks, klick away

भाल पर मल दो, चरण की धूल थोड़ी,
शीश पर आशीष की छाया घनेरी,
स्पप्न अर्पित, प्रश्न अर्पित,
आयु का क्षण-क्षण समर्पित,
चाहता हूँ देश की धरती, तुझे कुछ और भी दूँ।

(1) **कवि देश के लिए क्या-क्या समर्पित करना चाहता है।** 1

(क) तन।
(ख) धन।
(ग) मन।
(घ) सर्वस्व।

(2) **धरती के ऋृण के आगे कवि अपने आपको क्या मानता है?** 1

(क) देशभक्त।
(ख) अकिंचन।
(ग) दानी।
(घ) वीर।

(3) **युद्ध में जाते समय कवि मातृभूमि से क्या माँगता है?** 1

(क) मातृभूमि का आशीष।
(ख) मातृभूमि का सहयोग।
(ग) अभयदान।
(घ) हौसला।

(4) **'धरती' शब्द का पर्यायवाची इनमें से कौन-सा नहीं है?** 1

(क) धरा।
(ख) वसुधा।
(ग) सुधा।
(घ) वसुंधरा।

(5) **'स्वप्न-अर्पित' का क्या अर्थ है?**

1

(क) देश-सेवा करना।
(ख) रात भर जागना।
(ग) सपने देखना।
(घ) देश-हित के लिए सर्वस्व अर्पित कर देना।

प्र04 निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के सही विकल्प छाँटकर लिखिए। 5

जिस-जिससे पथ पर स्नेह मिला
उस-उस राही को धन्यवाद।

Koopykitab Same textbooks, klick away

जीवन अस्थिर, अनजाने ही
हो जाता पथ पर मेल कहीं
सीमित पग-डग, लंबी मंजिल
तय कर लेना कुछ खेल नहीं।
दाएँ-बाएँ सुख-दुख चलते
सम्मुख चलता पथ का प्रमाद
जिस-जिससे पथ पर स्नेह मिला
उस-उस राही को धन्यवाद।

साँसों पर अवलम्बित काया,
जब चलते-चलते चूर हुई।
दो स्नेह शब्द मिल गए,
मिली- नव स्फूर्ति, थकावट दूर हुई।
पथ के पहचाने छूट गए,
पर साथ-साथ चल रही याद।
जिस-जिससे पथ पर स्नेह मिला
उस-उस राही को धन्यवाद।

(1) **कवि किसे धन्यवाद देता है?** 1

(क) राही को।
(ख) मित्रों को।
(ग) परिवार जन को।
(घ) जीवन-मार्ग पर जिस-जिससे स्नेह मिला।

(2) **जीवन-मंजिल को तय कर लेना खेल क्यों नहीं है?** 1

(क) समय का अभाव।
(ख) लघु जीवन।
(ग) सीमित पग-डग।
(घ) निर्धनता।

(3) **कवि की 'थकावट' कब दूर हुई?** 1

(क) जब स्नेह के दो शब्द मिले।
(ख) जब आराम मिला।
(ग) जब साथ मिला।
(घ) जब वह प्रसन्न हुआ।

(4) **हमेशा हमारे साथ क्या रहता है?** 1

(क) साथियों का साथ।

zoopykitab same textbooks, klick away

(ख) साथियों की यादें।
(ग) साथियों का स्नेह।
(घ) साथियों की मित्रता।

(5) **'अवलम्बित' शब्द का अर्थ है-** 1

(क) विलम्ब।
(ख) परतंत्र।
(ग) आश्रित।
(घ) सहयोग।

खण्ड - 'ख'

प्र05 (i) **'प्र' उपसर्ग किस शब्द में नहीं है-** 1

(क) प्रयोग।
(ख) प्रगति।
(ग) प्रतिध्वनि।
(घ) प्रदक्षिणा।

(ii) **'अन्' उपसर्ग युक्त शब्द छाँटिए-** 1

(क) अनावरण।
(ख) अंतरात्मा।
(ग) अंतर्राष्ट्रीय।
(घ) अंतरिक्ष।

(iii) **'स्वाभिमान' का सही विकल्प है-** 1

(क) स्व + अभिमान।
(ख) स्वा + अभिमान।
(ग) स्वा + अभि + मान।
(घ) स्व + अभि + मान।

(iv) **'पराजय' शब्द में कौन-सा उपसर्ग है-** 1

(क) पर।
(ख) परा।
(ग) प।
(घ) प्र।

प्र06 (i) **'उक' प्रत्यय किस शब्द में नहीं है?** 1

(क) भावुक।
(ख) उत्सुक।
(ग) भिक्षुक।
(घ) गायक।

Koopkitab game textbooks, klick away

(ii) **'आवट' प्रत्यय का प्रयोग किस शब्द में हुआ है?** 1

(क) मिलावट।

(ख) कड़वाहट।

(ग) गरमाहट।

(घ) चिकनाहट।

(iii) **'बचपन' में मूल शब्द है-** 1

(क) बच्चा।

(ख) बच।

(ग) बाल।

(घ) बचना।

(iv) **'पौराणिक' का सही विकल्प है-** 1

(क) पौराण + इक।

(ख) पुराण + ईक।

(ग) पुराण + इक।

(घ) पौराण + ईक।

प्र07 (i) **भारत-रत्न** 1

(क) भारत से रत्न - कर्मधारय समास।

(ख) भारत और रत्न - द्वंद्व समास।

(ग) भारत का रत्न - तत्पुरूष समास।

(घ) भारत के लिए रत्न - बहुव्रीहि समास।

(ii) **हाथोंहाथ** 1

(क) हाथ से हाथ मिलाना - बहुव्रीहि समास।

(ख) हाथ ही हाथ में - अव्ययीभाव समास।

(ग) हाथ और हाथ - द्वंद्व समास।

(घ) हाथ में हाथ - कर्मधारय समास।

(iii) **दहीबड़ा**

(क) दही में डूबा हुआ बड़ा। - कर्मधारय समास।

(ख) दही में बड़ा - तत्पुरूष समास।

(ग) दही का बड़ा - अव्ययी भाव समास।

(घ) दही और बड़ा - द्वंद्व समास।

(iv) **चौराहा** 1

(क) चार और राहें - द्वंद्व समास

(ख) चार और राहें - बहुव्रीहि समास

Kopykitab Same textbooks look away

(ग) चार है जो राहें - कर्मधारय समास

(घ) चार राहों का समाहार - द्विगु समास

प्र08 (i) **भावचाचक संज्ञा का सही विकल्प चुनकर लिखिए।** 1

(क) विद्‌वता।

(ख) विद्वान।

(ग) विदुषी।

(घ) विदूषक।

(ii) **सर्वनाम 'मैं' के प्रकार का सही विकल्प है-** 1

(क) अन्य पुरूषवाचक सर्वनाम।

(ख) मध्यम पुरूषवाचक सर्वनाम।

(ग) उत्तम पुरूषवाचक सर्वनाम।

(घ) निजवाचक सर्वनाम।

(iii) **मोहन पुस्तक पढ़ चुका है। इस वाक्य में 'परसर्ग ने' का प्रयोग कीजिए।** 1

(क) मोहन ने पुस्तक को पढ़ लिया।

(ख) मोहन ने पुस्तक पढ़ी।

(ग) मोहन ने पुस्तक पढ़ी थी।

(घ) मोहन ने पुस्तक पढ़ ली थी।

(iv) **मैं <u>कलम से</u> लिखता हूँ। रेखांकित में कारक बताइए।** 1

(क) कर्ता कारक।

(ख) संप्रदान कारक।

(ग) कर्म कारक।

(घ) करण कारक।

प्र09 (i) **'अश्व' का पर्यायवाची शब्द नहीं है-** 1

(क) तुरंग।

(ख) गज।

(ग) घोड़ा।

(घ) घोटक।

(ii) **'उग्र' का विलोम शब्द है-**

(क) शांत।

(ख) अग्र।

(ग) अशांत।

(घ) क्रोधी।

(iii) **'पवन-पावन' में अर्थ की क्या भिन्नता है-** 1

(क) हवा - आग।

Zoopkitab
Same textbooks, click away

(ख) आग – हवा।

(ग) हवा – पवित्र।

(घ) पवित्र – हवा।

(iv) 'कवि' का स्त्रीलिंग रूप होगा– 1

(क) कवित्री।

(ख) कवीयत्री।

(ग) कवयत्री।

(घ) कवयित्री।

खण्ड – 'ग'

प्र010 निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्पों का चयन कीजिए–

सन् 1857 ई. के विद्रोही नेता धुधूपंत नाना साहब कानपुर में असफल होने पर भागने लगे, तो वे जल्दी में अपनी पुत्री मैना को साथ न ले जा सके। देवी मैना बिठूर में पिता के महल में रहती थी; पर विद्रोह दमन करने के बाद अंग्रजों ने बड़ी ही क्रूरता से उस निरीह और निरपराध देवी को अग्नि में भस्म कर दिया। उसका रोमांचकारी वर्णन पाषाण हृदय को भी एक बार द्रवीभूत कर देता है।

(i) नाना साहब ने किसके विरूद्ध विद्रोह किया था? 1

(क) बहादुरशाह जफर के विरूद्ध।

(ख) लक्ष्मीबाई के विरूद्ध।

(ग) अंग्रेजों के विरूद्ध।

(घ) गाँधी जी के विरूद्ध।

(ii) नाना साहब अपनी बेटी को महल में क्यों छोड़ गए थे? 1

(क) जल्दी में उसे वे ले नहीं जा सके।

(ख) महल की देखभाल के लिए।

(ग) क्रांतिकारियों को सूचना देने के लिए।

(घ) वे उसे प्यार नहीं करते थे।

(iii) नाना साहब का आवास कहाँ था? 1

(क) दिल्ली में।

(ख) मद्रास में।

(ग) बिठूर में।

(घ) कानपुर में।

(iv) अंग्रेजों ने मैना को किस प्रकार मार डाला? 1

(क) तोप से।

(ख) जलाकर।

(ग) तलवार से।

(घ) बंदूक से।

Apnikitab sametextbooks, klick away

(v) 'पाषाण - हृदय' का क्या अर्थ है? 1

(क) मजबूत दिल।

(ख) संवेदना शून्य।

(ग) कठोर - हृदय।

(घ) संवेदनशील।

अथवा

उसी बीच आनंद भवन में बापू आए। हम लोग तब अपने जेब-खर्च में से हमेशा एक-एक, दो-दो आने देश के लिए बचाते थे और जब बापू आते थे तो वह पैसा उन्हें दे देते थे। उस दिन जब बापू के पास मैं गई तो अपना कटोरा भी लेती गई। मैंने निकालकर बापू को दिखाया। मैंने कहा, 'कविता सुनाने पर मुझको यह कटोरा मिला है।' कहने लगे, 'अच्छा, दिखा तो मुझको।' मैंने कटोरा उनकी ओर बढ़ा दिया तो उसे हाथ में लेकर बोले, 'तू देती है इसे?' अब मैं क्या कहती? मैंने दे दिया और लौट आई।

(i) 'हम लोग' से किनकी ओर संकेत किया गया है? 1

(क) महादेवी।

(ख) महादेवी और उनकी सहपाठिनें।

(ग) महादेवी वर्मा और उनके परिवार जन।

(घ) छात्रावास की लड़कियाँ।

(ii) महादेवी और उनकी सहपाठिने जेब-खर्च से पैसे क्यों बचाती थी? 1

(क) देश-सेवा के लिए।

(ख) समाज-सेवा के लिए।

(ग) गरीबों के लिए।

(घ) अपने लिए।

(iii) वे बचत के पैसे किसे देती थी? 1

(क) अपने माता-पिता को।

(ख) गरीबों को।

(ग) छात्रावास की सहेलियों को।

(घ) बापू को।

(iv) महादेवी ने बापू को कटोरा क्यों दिखाया? 1

(क) दान देने के लिए।

(ख) बापू को प्रसन्न करने के लिए।

(ग) प्रशंसा पाने के लिए।

(घ) कटोरे की प्रशंसा पाने के लिए।

(v) बापू ने महादेवी का कटोरा किसलिए ले लिया? 1

(क) देश-सेवा के लिए।

Zoopykitab
Same textbooks, click away

(ख) गरीबों के लिए।

(ग) अपने प्रयोग के लिए।

(घ) चंदे के लिए।

प्र011 निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षेप में उत्तर दीजिए। $2\times5=10$

(क) सालिम अली हर समय क्या लिए रहते थे और क्यों?

(ख) मैना की अंतिम इच्छा थी? क्या उसकी इच्छा पूरी हो सकी?

(ग) 'तुम परदे का महत्त्व ही नहीं जानते, हम परदे कर कुर्बान हो रहे हैं– इस कथन का आशय 'प्रेमचंद के फटे जूते' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

(घ) गुरुदेव ने शांतिनिकेतन को छोड़ कहीं और रहने का मन क्यों बनाया?

(ङ) सुभद्रा कुमारी चौहान ने महादेवी वर्मा की काव्य प्रतिभा को निखारने में किस प्रकार योगदान दिया?

प्र012 निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर उसके प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए। 5

हँसमुख हरियाली हिम- आतप
सुख से अलसाए-से सोए,
भीगी अँधियाली में निशि की
तारक स्वप्नों में-से खोए-
मरकत डिब्बे सा खुला ग्राम-
जिस पर नीलम नभ आच्छादन-
निरूपम हिमांत में स्निग्ध शांत
निज शोभा से हरता जन मन।

(i) कवि ने हरियाली को हँसमुख क्यों कहा है? 1

(ii) अँधेरी रात में तारे कैसे नज़र आते हैं? 1

(iii) लोगों के मन को कौन हर रहा है? 1

(iv) कवि ने मरकत के डिब्बे से गाँव की तुलना क्यों की है? 1

(v) 'हिमांत' शब्द किस मौसम की ओर संकेत कर रहा है? 1

अथवा

और पैरों के तले है एक पोखर,
उठ रहीं इसमें लहरियाँ,
नील तल में जो उगी है घास भूरी
ले रही वह भी लहरियाँ।
एक चाँदी का बड़ा-सा गोल खंभा
आँख को है चकमकाता
हैं कई पत्थर किनारे
पी रहे चुपचाप पानी,

Aoopkitab same textbooks, klick away

प्यास जाने कब बुझेगी।
चुप खड़ा बगुला डुबाए टाँग जल में,
देखते ही मीन चंचल
ध्यान-निद्रा त्यागता है,
चट दबा कर चोंच में
नीचे गले के डालता है।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए।

(i) कवि ने चाँदी का-सा गोल खम्बा किसे कहा है और क्यों? 2

(ii) पोखर के किनारे पड़े पत्थरों को देखकर कवि ने क्या कल्पना की है? 2

(iii) बगुला जल में बिल्कुल शांत एवं ध्यानावस्था में क्यों खड़ा है? 1

प्र013 निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षेप में उत्तर दीजिए। 5

(i) 'यमराज की दिशा' कविता के आधार पर लिखिए कि आज हर दिशा दक्षिण दिशा क्यों हो गई है? 2

(ii) मेघ रूपी मेहमान के आने से वातावरण में क्या परिवर्तन हुए? 2

(iii) बच्चों का काम पर जाना धरती के एक बड़े हादसे के समान क्यों है? 1

प्र014 'रीढ़ की हड्डी' एकांकी के शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट कीजिए। 5

अथवा

'गरीब आदमी का शमशान नहीं उजड़ना चाहिए।' 'माटी वाली' कहानी के आधार पर इस कथन का आशय स्पष्ट कीजिए।

खण्ड - 'घ'

पत्र-लेखन

प्र015 प्रातः कालीन भ्रमण के लाभ बताते हुए अपनी छोटी बहन को पत्र लिखिए। 5

अथवा

आपके क्षेत्र में सफाई कर्मचारी ठीक तरह से काम नहीं कर रहे हैं। अपने क्षेत्र में गंदगी एवं बीमारी फैलने की सूचना देते हुए नगर-निगम के स्वास्थ्य अधिकारी को पत्र लिखिए।

प्र016 नीचे दिए गए संकेत-बिन्दुओं के आधार पर निबंध लिखिए। 5

'इंटरनैट -सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में क्रांति'

प्रस्तावना, इंटरनैट का आरंभ, इंटरनैट के मुख्य भाग, उपयोग, हानियाँ, निष्कर्ष।

अथवा

'नैतिक मूल्यों के उत्थान में शिक्षक की भूमिका'

प्रस्तावना, नैतिक मूल्यों में गिरावट, शिक्षा का उद्देश्य, शिक्षक की महत्त्वपूर्ण भूमिका, निष्कर्ष।

हिंदी पाठयक्रम 'अ'

zopykitab sametextbooks klickaway

कक्षा – नवम

उत्तर माला

प्र. सं.		उत्तर	अंक
प्र01	(i)	- ख	5
	(ii)	- घ	
	(iii)	- ख	
	(iv)	- ग	
	(v)	- घ	
प्र02	(i)	- क	5
	(ii)	- ग	
	(iii)	- घ	
	(iv)	- ख	
	(v)	- क	
प्र03	(i)	- घ	5
	(ii)	- ख	
	(iii)	- क	
	(iv)	- ग	
	(v)	- घ	
प्र04	(i)	- घ	5
	(ii)	- ग	
	(iii)	- क	
	(iv)	- ख	
	(v)	- ग	
प्र05	(i)	- ग	1×4=4
	(ii)	- क	
	(iii)	- घ	
	(iv)	- ख	
प्र06	(i)	- घ	1×4=4
	(ii)	- क	
	(iii)	- क	
	(iv)	- ग	
प्र07	(i)	- ग	1×4=4
	(ii)	- ख	

Kopykitab
Same textbooks, klick away

(iii) - क
(iv) - घ

प्र08 (i) - क 1×4=4
(ii) - ग
(iii) - ख
(iv) - घ

प्र09 (i) - ख 1×4=4
(ii) - क
(iii) - ग
(iv) - घ

प्र010 (i) - ग 1×5=5
(ii) - क
(iii) - घ
(iv) - ख
(v) - ग

अथवा

(i) - ख
(ii) - क
(iii) - घ
(iv) - ग
(v) - क

प्र011 इसका उत्तर विद्यार्थी अपने मतानुसार देंगे। 2×5=10

प्र012 इसका उत्तर विद्यार्थी अपने मतानुसार देंगे। 1×5=5

अथवा

इसका उत्तर विद्यार्थी अपने मतानुसार देंगे। 2+2+1=5

प्र013 इसका उत्तर विद्यार्थी अपने मतानुसार देंगे।

प्र014 इसका उत्तर विद्यार्थी अपने मतानुसार देंगे। 2

प्र015 पत्र

प्रारंभ एवं समापन की औपचारिकताएँ 2
(पिता, दिनांक, संबोधन, समापन)
विषय सामग्री/प्रस्तुति 2
भाषा की सफाई 1
5

Zoopykitab Same textbooks, klick away

प्र016 निबंध

भूमिका/प्रस्तावना	1
विषय प्रतिपादन	1
उपसंहार	1
भाषा की शुद्धता	1
प्रस्तुति/समग्र प्रभाव	1

Kopykitab
Same textbooks, klick away